148202 - इक़ामत और नमाज़ में प्रवेश करने के बीच दुआ करने का हुक्म

प्रश्न

मैंने देखा है कि जब मुअज़्ज़िन नमाज़ के लिए इक़ामत कह चुकता है, तो कुछ नमाज़ी हाथ उठाते हैं और दुआ करते हैं और यह तकबीरतुल-एहराम से पहले करते हैं। क्या यह रसूल सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम से वर्णित है?

विस्तृत उत्तर

हर प्रकार की प्रशंसा और गुणगान केवल अल्लाह तआला के लिए योग्य है।.

“इसके लिए कोई आधार नहीं है, और अल्लाह के रसूल सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम से यह वर्णित नहीं है कि आप सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम इक़ामत और नमाज़ में प्रवेश करने के बीच कोई दुआ करते थे। तथा आपसे कोई बात संरक्षित नहीं है कि आपने इस जगह पर हाथ उठाया है। बल्कि किसी के लिए उचित नहीं है कि वह ऐसा करे ; क्योंकि यह सुन्नत के विरुद्ध है।” उद्धरण समाप्त हुआ।

आदरणीय शैख अब्दुल-अज़ीज़ बिन बाज़ रहिमहुल्लाह

“फ़तावा नूरुन अला अद-दर्ब” (2/1058)